SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI PRASHANTA NANDA (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

SHRI SUJEET KUMAR (Odisha): Sir, I too associate myself with the matter raised by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: Subhash Chandra Singhji is suggesting that major trains should pass through Cuttack and the Cuttack Railway Station should be upgraded and made an important station. That is the point he is making. During my childhood all trains used to pass through Cuttack only. All trains going to Calcutta used to go via Cuttack. Now, Shri Hardwar Dubey.

Problems being faced by tourism sector in Agra

श्री हरद्वार दुबे (उत्तर प्रदेश) : सभापति महोदय, मैं आज आगरा और आगरा जिले के आस-पास के पर्यटन स्थलों के संबंध में अपने विचार रखने जा रहा हूं। माननीय प्रधान मंत्री जी ने 'अतिथि देवो भव': का संकल्प लिया था। इस संकल्प को साकार करने के लिए आज आवश्यक है कि पर्यटन उद्योग को बढ़ावा दिया जाए और पर्यटक स्थलों पर घूमने आने वाले लोगों को अधिक से अधिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।

मान्यवर, ताजमहल दुनिया के सात अजूबों में से एक है। इस ताजमहल को देखने के लिए तथा मुगलकालीन अनेक धरोहरों को देखने के लिए प्रत्येक दिन देश-विदेश से लाखों पर्यटक आगरा आते हैं। इससे देश को विदेशी मुद्रा अर्जित होती है। यही नहीं, वहां से 50 किलोमीटर दूर मथुरा जिले में भगवान कृष्ण का जन्म स्थल तथा अनेक क्रीड़ा स्थल हैं। उनके संदीपनी आश्रम में पढ़ने जाने से पहले के भी अनेक स्थल हैं, उन सभी स्थलों को भी देखने के लिए लाखों की संख्या में पर्यटक मथुरा आते हैं। मान्यवर, वहां से 50 किलोमीटर दूर भरतपुर में घना पक्षी विहार और आगरा के कीठम पक्षी विहार में घूमने के लिए, पक्षियों को देखने के लिए और प्रकृति से प्यार करने वाले पर्यटक आते हैं। महोदय, एक स्थान खानवा का मैदान है, जो फतेहपुर सीकरी से भरतपुर को जोड़कर राजस्थान से चलता है। मैं इसको भी पर्यटक स्थल बनाने की मांग करता हूं, क्योंकि यहां 1527 में राणा सांगा और बाबर की लड़ाई हुई थी। वह मैदान आज भी उपेक्षित पड़ा हुआ है। सर, इस कोरोना काल के कारण लाखों की संख्या में पर्यटन उद्योग से जुड़े हुए लोग, कारीगर, होटल चलाने वाले और टैक्सी चलाने वाले सब भुखमरी के कगार पर हैं। मान्यवर, एक साल से इनके पास कोई कार्य नहीं है और इनका संरक्षण करने का दायित्व सरकार पर आता है। यदि आगे कोरोना चलता रहा और पर्यटन से जुड़े इन सारे लोगों को एक साल और

कहीं कार्य करने का मौका नहीं मिला, तो वे भुखमरी के कगार पर चले जाएंगे। महोदय, मेरी आपसे प्रार्थना है कि आपके माध्यम से सरकार उनके संरक्षण की व्यवस्था करे, धन्यवाद।

SHRI SUBHASH CHANDRA SINGH (Odisha): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

SHRI SYED ZAFAR ISLAM (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

DR. SASMIT PATRA (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

SHRI BHASKAR RAO NEKKANTI (Odisha): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Hardwar Dubey.

Need to include obesity and asthma in category of co-morbidity conditions for COVID-19 vaccination

श्रीमती प्रियंका चतुर्वेदी (महाराष्ट्र) : सभापति महोदय, आपका बहुत-बहुत आभार कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर बोलने का मौका दिया है। सर, जब हमारा vaccination का पहला फेज़ शुरू हुआ था, तो 60 साल से ऊपर जो भी citizens थे, वे इसके लिए eligible थे। जब दूसरा फेज़ शुरू हुआ, जो बहुत सराहनीय है कि 45 वर्ष के ऊपर जिनको co-morbidities हैं, उनको भी इस फेज़ में शामिल किया गया। सर, co-morbidity की जो guidelines and conditions हैं, उनमें कहीं भी asthma and obesity की बात नहीं की गई है, जो कि Covid mortality का बहुत बड़ा कारण निकला है। महोदय, मैं आपके माध्यम से गवर्नमेंट को suggest करना चाहूंगी कि इसको co-morbidities की guidelines में लेकर आएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इसका फायदा हो सके।

सर, मैं यहां पर एक चीज़ और आपके संज्ञान में लाना चाहूंगी कि हमारे बहुत सारे साधु-संत, पीर-प्रीस्ट्स हैं, जिनके पास आधार कार्ड्स नहीं होते हैं और जो शहर से शहर चलते हैं, वे technology savvy भी नहीं होते हैं, तो उनको भी vaccination की प्राथमिकता दी जाए और last